सालासर में राम कथा के मंच पर ब्रज रत्न वन्दनाश्री ने अपनी प्रस्तुति "श्री कृष्ण रस धारा" से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

सुप्रसिद्ध रासाचार्या एवं भजन गायिका वन्दना के रस गायन से जीवंत हुई श्री बालाजी महाराज की सालासर नगरी

गरीबों का सितारा

साधना सेठी, सीकर/सालासर। पदम विभूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के 74वां जन्म ?त्सव की पूर्व संध्या पर श्री बालाजी गौशाला संस्थान एवं पुजारी परिवार, सालासर के तत्वाधान में आयोजित ब्रज रत्न वन्दनाश्री मथुरा द्वारा "श्री कृष्ण रस धारा" का दिव्य मंचन प्रस्तुत किया। वन्दनाश्री ने अपनी गायकी से सिद्ध कर दिया कि ब्रज रस की महिमा, वाणीका माधुर्य और ब्रज गायिका का सरसगान क्या होता है। विशुद्ध पदों वाले लोकगीतों के आत्मविभोर करने वाले गान ने दर्शकों एवं अतिथियों का मन मोहा ।

श्री कृष्ण रस धारा" प्रस्तुति में

राधारानी कमल को फूल, मोहन भंवर बने,,

वृन्दावन बोले मोर, सालासर शोर भयों भारी,,

छोटी छोटी गईया, छोटे छोटे ग्वाल,,

कान्हा ने मोरी, मटकी फोड़ी,,

श्री गोवर्धन महाराज, तेरे माथे मुकुट विराज रयो,,

जमुना किनारे मेरो गांव, सांवरे आ जइयो,,

एक से बढ़कर एक भजनों एवं भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया विश्व प्रसिद्ध ब्रज लट्ठमार फूलों की होली से कार्यक्रम विश्राम किया गया। प्रस्तुति के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रज रत्न "वन्दनाश्री" की भावविभोर सुरमधुर गायकी ने दर्शकों को मनमुग्ध कर दिया और पूरे पंडाल को बालाजी महाराज की जय जयकार से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गौशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी, उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास, यज्ञ सम्राट बालयोगेश्वर दास महाराज, ब्रज लोक संस्कृति एवं सेवा संस्थान, मथुरा निदेशक दीपक शर्मा, दामोदर शर्मा एवं समस्त पुजारी परिवार द्वारा किया गया।